पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

———————

राज्यपाल ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं को 'प्रतिभा सम्मान' से किया सम्मानित

———————

शिक्षित होने के साथ–साथ बालिकाएं निडर भी बनें – राज्यपाल

———————

लखनऊः 6 मार्च, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बेटियां चाहे घर में हों, कालेज में हो या कार्य स्थलों पर हों हर जगह उनका सम्मान होना चाहिए। यही हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी चाहते हैं। महिलाओं व बेटियों को जितना समाज से सहायता व प्रेरणा मिलनी चाहिए, उन्हें नहीं मिला है क्योंकि यदि उन्हें यह सब मिला होता तो आज 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' नारा देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। दुःख की बात है कि आज भी बेटियों की भ्रूण हत्या हो रही है तथा बेटे और बेटी में अन्तर किया जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि आज भी हमारा समाज बेटियों को क्यों स्वीकार नहीं कर रहा है, जबकि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। यहां तक कि विश्वविद्यालयों व कालेजों में विभिन्न विषयों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर बालकों की तुलना में अधिक गोल्ड मेडल हासिल कर रही हैं। यह स्थिति तब है, जब वे अध्ययन के साथ ही साथ घर का भी कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद समाज में लड़कों को अधिक महत्व दिया जाता है।

राज्यपाल ने बालिकाओं की हौसला आफज़ाई करते हुए कहा कि यदि समाज में अपना अस्तित्व बनाये रखना है तो उन्हें शिक्षित होने के साथ–साथ निडर भी होना पड़ेगा क्योंकि उन्हें घर और बाहर हर जगह चुनौतियों का सामना करना है। आप शिक्षित होंगी तभी अपना भला–बुरा समझ सकेंगी। उन्होंने बालिकाओं का आह्वान किया कि वे दहेज मांगने वालों से शादी न करने का संकल्प लें तथा अपने खान–पान में पौष्टिक आहार को महत्व दें ताकि उनमें खून की कमी न होने पाये।

इससे पहले राज्यपाल ने कालेज की छात्राओं द्वारा लगायी गयी विज्ञान प्रदर्शनी, हुनर हाट, जूट हस्त कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं प्रदर्शनी के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रूसा के अनुदान से बनी 'लाइब्रेरी आटोमेशन' का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधा रोपण भी किया।

राज्यपाल ने प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं, सामाजिक सहभागिता, अनुशासन प्रियता, आचरणशीलता, हस्तकला में निपुणता, आज्ञापालन, आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं योगदान करने वाली 18 छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 अनुराधा तिवारी ने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह में ऐसी छात्राओं का चयन किया गया है, जिन्होंने जागरूक छात्रा होने के साथ–साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों , सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, अनुशीलन एवं अनुगमन पूर्ण व्यवहार से सभी को प्रभावित किया है।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय, आई0आई0एम0 लखनऊ के निदेशक प्रो0 बी0के0 मोहन्ती, डा0 विजय कर्ण, महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 अनुराधा तिवारी के अलावा महाविद्यालय के शिक्षक, छात्राएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

———

ओ0पी0राय / राजभवन (148 / 4)

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ
प्रतिभा सम्मान समारोह
शुक्रवार, दिनांक : 06 मार्च, 2020

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सम्मान समारोह